दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 202
मुरादाबाद
(Sunday)
13 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ऐसे कार्यक्रम में लगाईं कुर्सियांः दिवाली मिलन में पीएम ने सुनाए पुराने किस्से, बताया किसे खिलानी पड़ी मिठाई



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह में मीडियाकर्मियों को दिवाली और छठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पत्रकारों के साथ अपने पुराने जुड़ाव और मीडिया में आए बदलावों को याद किया। पीएम मोदी ने बताया कि शुरुआती राजनीतिक दिनों में उनकी जिम्मेदारी प्रेस विज्ञप्तियां भेजने और पार्टी कार्यालय में दिवाली मिलन के दौरान कुर्सियों का इंतजाम करने की भी थी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली मिलन समारोह के दौरान मीडियाकर्मियों को छठ और दिवाली की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार में आने के बाद उनकी भूमिका और दायित्व बदल गए हैं। उन्होंने अपने संबोधन में सरकार की जिम्मेदारियों और बदलती भूमिका का भी जिक्र किया।

उन्होंने समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, त्योहारों का समय ऐसा होता है, जब हर कोई अपने घर पर, अपने परिवार के साथ, अपनों के साथ समय बिताने का प्रयास करता है। लेकिन आपका काम ऐसा है कि ब्रेकिंग न्यूज के लिए भागदौड़ लगी रहती है। ऐसी व्यस्तता में आप सभी इस नॉन ब्रेकिंग न्यूज वाले कार्यक्रम में आए। मैं आप सबका बहुत आभारी हूं।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मेरा लंबे समय से आप सभी के साथ स्वाभाविक जुड़ाव रहा है। प्रेस विज्ञप्तियों से लेकर इंस्टाग्राम रील्स तक, मैंने मीडिया और उसके साथ संवाद के तरीके में लंबे समय के दौरान आए बदलावों को देखा है। मुझे याद है कि 1990 के दशक की शुरुआत में मुझे देशभर में निकाली गई दो बड़ी यात्राओं के दौरान संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। उस समय प्रेस विज्ञप्ति भेजने के लिए भी फैक्स मशीन ढूंढनी पड़ती थी। जब मैं दिल्ली आया, तब भी ये जिम्मेदारियां मेरे पास थीं।उन्होंने कहा, उस समय पार्टी का कार्यालय अशोक रोड पर हुआ करता था। तब भी दिवाली मिलन समारोह आयोजित होता था। इन कार्यक्रमों में मेरी जिम्मेदारी कुर्सियों का इंतजाम करने और आप सभी का ध्यान रखने की होती थी। मैं यही काम किया करता था। उस समय कैमरों की संख्या कम थी, लेकिन आपसी रिश्तों में वही अपनापन और नजदीकी बनी हुई थी।

पीएम मोदी ने सुनाया दिल्ली से गुजरात के सीएम बनने की खबर मिलने का किस्सा- प्रधानमंत्री मोदी ने दिवाली मिलन समारोह के दौरान अपने पत्रकार मित्रों से गुजरात का मुख्यमंत्री बनने की खबर मिलने का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया, पिछले महीने मुझे सरकार का प्रमुख बने हुए 25 साल पूरे हो गए। मुझे यह घटना बहुत अच्छी तरह याद है। आज भी मैं सोचता हूं कि आप लोगों में ऐसा क्या है, जो हमें हमेशा चौंका देता है।

उन्होंने कहा, %%उस समय इस बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी थी। पार्टी के सिर्फ दो-चार वरिष्ठ नेताओं को ही पता था। मैं अपना ज्यादातर समय यहां 11 अशोक रोड पर बिताता था। एक दिन पत्रकारों का पूरा समूह मेरे कमरे में आ गया। आमतौर पर पत्रकार मेरे साथ ऐसा नहीं करते थे, लेकिन उस दिन वे सीधे कमरे में चले आए।

अपने खर्च पर मेरे सीएम पद के शपथग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए थे पत्रकार- पीएम ने कहा, उनके बीच महिला पत्रकारों का एक समूह भी था, जिसका काफी प्रभाव था। उन्होंने मुझसे कहा, आपको हमें मिठाई खिलानी होगी। मैंने पूछा, किस बात की खुशी में? मैं मिठाई क्यों बांटूं?

उन्होंने जवाब दिया, आप गुजरात जा रहे हैं। आप मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। मैंने उनसे कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन वे अपनी बात पर अड़ी रहीं। उन्होंने कहा, %हमें सब पता है। आप झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, इस फैसले की जानकारी वास्तव में बहुत कम लोगों को थी, लेकिन पत्रकारों के इस पूरे समूह को किसी तरह इसकी भनक लग गई थी। खैर, उनकी जानकारी सही निकली। उस समय उनके सवालों का जवाब देना मेरे लिए काफी मुश्किल था। लेकिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से हुई कि 2001 में जब मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो मेरे कई पत्रकार मित्र अपने खर्च पर और अपनी व्यवस्था करके समारोह में शामिल होने आए थे। वे वहां कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करने के लिए नहीं आए थे।

पीएम मोदी बोले- पिछले 25 वर्षों में बहुत कुछ बदल गया- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %%पिछले 25 वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है। देश बदला है, दुनिया बदल गई है और राजनीति करने का तरीका भी बदल गया है। तकनीक में आए बदलावों ने मीडिया की दुनिया को भी काफी हद तक बदल दिया है। तकनीक ने पारंपरिक मीडिया संस्थानों के काम को कुछ आसान बनाया है, लेकिन उनके सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं।उन्होंने कहा, पहले बड़ी-बड़ी ओबी वैन (आउटडोर ब्रॉडकास्टिंग वैन) के साथ काम करना पड़ता था, लेकिन आज एक मोबाइल फोन ही ओबी वैन बन गया है। अब हर किसी का अपना मंच, अपना चैनल और अपना पॉडकास्ट है। भारत में पहले एक कहावत थी कि हर गली में क्रिकेट का जानकार मिल जाता है। गांव की किसी गली में बैठा व्यक्ति भी बता देता था कि सचिन तेंदुलकर ने कहां गलती की। उन्होंने कहा, आज स्थिति यह है कि हर गली में हर खबर का जानकार मिल जाता है। हमारी एक पुरानी कहावत है- जितने मुंह, उतनी बातें। कभी-कभी ऐसा लगता है कि देश में जितने लोग हैं, उतनी ही राय भी हैं। लोगों की यही अलग-अलग राय हमारे लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती हैं। इसमें भारतीय मीडिया की भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

संक्षिप्त समाचार

इतने साल चुप रहीं मां, अब बताई अपनी कहानीः प्रियंका गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा- सच कहने का है हक

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोनिया गांधी के संस्मरण को लेकर भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी मां के खिलाफ वर्षों तक झूठ फैलाया गया। प्रियंका ने केंद्र सरकार को भी घेरते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता के सवालों और शांतिपूर्ण विरोध का सम्मान होना चाहिए।कांग्रेस की वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने लंबे समय तक उनकी मां के बारे में झूठ फैलाया, जबकि उनकी मां ने अब अपने संस्मरण में अपनी कहानी खुद लिखी है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण, होने के बाद राजनीतिक हलकों में काफी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। विभिन्न दलों के नेताओं ने इसमें लिखी बातों पर अपनी राय दी है।दिवंगत पद्म श्री पुरस्कार विजेता चेरुवयाल रमन के परिवार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर आरोप लगाया कि उन्होंने दशकों तक उनकी मां, सोनिया गांधी के खिलाफ गलत जानकारी फैलाने का अभियान चलाया, जबकि उनकी मां इस दौरान चुप रहीं।प्रियंका गांधी ने कहा, भारत में मेरी मां के वयस्क जीवन के पूरे दौर में, भाजपा, आरएसएस और कई अन्य लोगों ने उनके बारे में जो चाहा, वह कहा।

अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर लगाया भगवान श्रीकृष्ण के अपमान का आरोप, बोले- ये हार की हताशा है



अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2024, 2026 की हार से डर गये हैं इसीलिए इनके बोल बिगड़ गये हैं। ये 2027 में हमेशा के लिए हारेंगे। अगर ये जीत रहे होते तो हमारी नहीं, अपनी और अपनी उपलब्धि की बात करते। ये जितना बुरा बोलेंगे, उतनी ही बुरी हार हारेंगे।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भगवान श्रीकृष्ण को अपमानित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 2027 में अपनी होने वाली हार की हताशा में वो इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि 'गोपालकों''को अपशब्द कहकर प्रकारांतर में गोपाल अर्थात् भगवान श्रीकृष्ण का जो अपमान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय ने मंच से किया है वो अक्षम्य है। पहले अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के 'चढ़ावा-चंदा-दान' चोरी में एक बड़े गिरोह के साथ संलिप्त रहे और राज न खुल जाए इस डर से उन्हें क्लीन चिट दे दी। अब भगवान कृष्ण पर वार कर रहे हैं। देवी अहिल्याबाई जी की शिवलिंग ली हुई प्रतिमा का वाराणसी में घोर तिरस्कार किया था। ये न भगवान शिव के सगे हैं, न भगवान राम के, न भगवान कृष्ण के और न ही देवी अहिल्याबाई जी के। ये इतने कमज़ोर पड़ गये हैं कि अब उत्तर प्रदेश में किसी और 'दुष्मुखी' को बुलाया जा रहा है। इन दोनों में कई बातें समान हैं , वेशभूषा का स्वांग, दुर्रवचनी जुबान और भगवान राम और भगवान कृष्ण का सरेआम अपमान करना। जनता कह रही है कि अब इनका प्रभाव शून्य हो गया है। अगर इनका प्रभाव शेष होता तो वो ऐसे असामाजिक व्यक्ति को कभी भी अपने प्रदेश में आने की अनुमति नहीं देते, जो उनके ही दिये गये नारे को सरेआम ठुकराकर समाज को बाँट रहा है।अखिलेश यादव ने आगे कहा कि व्यक्ति जब कमज़ोर हो जाता है तो अनैतिक सहारा ढूंढने लगता है। अगर इनमें अंशमात्र भी शक्ति, सामर्थ्य और साहस शेष होगा तो वो ऐसे ईश विरोधी वक्तव्य देनेवालों को उप्र में प्रवेश नहीं करने देंगे लेकिन ये ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि वो भी इन्हीं के विचारवंशी भी हैं और वचनवंशी भी। दोनों एक-दूसरे के पर्याय हैं। पुनः दोहरा रहे हैं क्योंकि एक बार में वो पढ़ नहीं पाते हैं और दस बार में भी समझ नहीं पाते हैं = कृपया सनातनी वस्त्रों को पहनकर इतनी निम्नस्तरीय भाषा न बोलें। अपने व्यक्तित्व के आंतरिक पक्ष को बाहर लाने से पहले सोचें कि आप अभी कुछ दिनों के लिए ही सही, एक सम्प्रदाय के सम्माननीय पद के साथ-साथ एक सांविधानिक पद पर भी विराजमान हैं। अपना श्रीमुख खोलने से पहले, सार्वजनिक मर्यादा के साथ ही, उन पदों की प्रतिष्ठा का भी ध्यान-मान रखें। हार को सामने देखकर बड़े-बड़े विचलित हो जाते हैं और भाषिक मर्यादा की सीमाएं भूलकर शाब्दिक अराजकता पर उतर आते हैं।आपका अहंकारी व्यवहार तो एक युवा मृतक की दुखी मां तक का तिरस्कार कर चुका है और आदरणीय प्राचार्य हों, पत्रकार या ईमानदार अधिकारी, सबको अपशब्दों से अपमानित करता रहा है। आप शीघ्र ही इतिहास बननेवाले हैं, ये तो आपके ऊपर है कि जाने से पहले आप 'भाषा-व्यवहार के इतिहास' में अपना नाम काजल से लिखवाएं या स्वर्ण से। शालीन विचार से ही शालीन भाषा जन्म लेती है। दरअसल इनके संदर्भ में शालीनता का अभाव ही नहीं, घोर अकाल भी है। इसीलिए मृदु वचन की कोई भी संभावना यहां शून्य है। हम इन्हें क्षमा करते हैं क्योंकि ये परवश रहते हैं। जिसका अपनी इच्छाशक्ति पर ही नियंत्रण न हो, जो दिन भर थोड़े-थोड़े समय के बाद विचलित होने लगता हो, उससे शब्द नियंत्रण या संतुलन की अपेक्षा बेमानी है।

सीएनएच ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनीः बुलडोजर अब यूपी का ब्रांड, योगी बोले- यहां बनेंगे तो दुनिया में बढ़ेगी मांग



सीएम योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल माध्यम से ष्ट्टह्॥ ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था और निवेश अनुकूल माहौल के कारण उत्तर प्रदेश आज विकास और औद्योगिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह परियोजना राज्य में कृषि मशीनीकरण, आधुनिक विनिर्माण और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगी।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुलडोजर अब उत्तर प्रदेश का ब्रांड बन चुका है। प्रदेश में अगर बुलडोजर और ट्रैक्टर का निर्माण होगा तो देश ही नहीं, विदेशों में भी इनकी मांग अपने आप बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश में माफिया राज की जगह कानून का राज स्थापित हुआ है। अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति ने प्रदेश को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाया है। सीएम गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में सीएनएच इंडस्ट्रियल के नए ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस प्लांट पर 1200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। करीब 100 एकड़ में विकसित होने वाली इस परियोजना से हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।सीएम ने जेवर क्षेत्र के किसानों और जनप्रतिनिधियों की सराहना करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में कभी अपराध और अराजकता की पहचान थी, आज वही जेवर निवेश के सर्वश्रेष्ठ गंतव्यों में शामिल हो रहा है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और यीडा क्षेत्र के विकास से यह पूरा इलाका औद्योगिक, आर्थिक और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित हो रहा है।उन्होंने कहा कि यहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का सेमीकंडक्टर प्लांट, मेडिकल डिवाइस पार्क, टॉय पार्क, एमएसएमई पार्क और डाटा सेंटर जैसी बड़ी परियोजनाएं आकार ले रही हैं। आने वाले समय में जेवर देश के औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के सामने पलायन, पिछड़ेपन, अराजकता और पहचान के संकट जैसे सवाल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज प्रदेश उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, फियरलेस बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने अपनी अलग पहचान बनाई है।उन्होंने कहा कि कभी बीमारू राज्यों में गिना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डीरेग्युलेशन के मामले में प्रदेश को देश में पहला स्थान मिला है। राज्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। सीएम ने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

चंद्रशेखर-ओवैसी गठबंधन पर सपा का पहला बयान, शिवपाल बोले- इनका मकसद भाजपा को हटाना नहीं



सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने यूपी में बने नए सामाजिक परिवर्तन मोर्चा को लेकर बयान दिया है। उन्होंने मोर्चा की मंशा पर सवाल उठाए और कहा कि इनका मकसद भाजपा को सत्ता से हटाना नहीं है। यूपी में सांसद चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के गठबंधन की घोषणा के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसे लेकर बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है। सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि ओवैसी और चंद्रशेखर भाजपा को सत्ता से नहीं हटाना चाहते हैं। ये लोग भाजपा के समर्थन में हैं इसलिए इस गठबंधन का एलान किया गया है।

लखनऊ में बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता कर चंद्रशेखर और ओवैसी ने गठबंधन का एलान करते हुए सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का एलान किया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मैं यक़ीन से कहता हूं भाजपा को तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए ये मजबूत विकल्प होगा। इन चुनाव में बीजेपी को रोकने के साथ ही बेरोज़गारों, किसानों के मुद्दों पर हमारी लड़ाई होगी। मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार चंद्रशेखर आजाद होंगे। प्रदेश में सामाजिक बदलाव लाना मकसद है। हम लोग भविष्य के लिए राजनीति करेंगे। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि वो 90 फीसदी वोट अल्पसंख्यक का हासिल कर रहे हैं फिर भी भाजपा को नहीं हरा पा रहे हैं। वो नहीं हरा पाएंगे। आज जो गठबंधन बना है। वो एक मजबूत विकल्प बनेगा। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि यूपी का तीसरा मोर्चा नहीं, पहला मोर्चा है। ये बहुत मजबूत मोर्चा है। जैसे जैसे इसमें कमजोर, पीड़ित लोग जुड़ते जाएंगे वैसे वैसे ये मोर्चा मजबूत हो जाएगा। उन्होंने 26 नवंबर को रमाबाई आंबेडकर मैदान में रैली करने की घोषणा की साथ ही कहा कि गठबंधन प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

संपादकीय Editorial

Economic Clarity of Decisions

The realization of the court's guarantee of financial resources is telling the story of a new journey for Himachal. The latest example is the economic directive of the Supreme Court's decision, which will ensure the supply of 1197.3 crore units of electricity over the next twenty years. Where receipts from the Punjab reorganization were missing, Himachal's claim to its share of 7.19 percent is a blessing of justice. Where payments were pending, various governments had been seeking their rights from the Supreme Court since 1996. With the arrival of the decision, Punjab will have to pay 60 percent and Haryana 40 percent. Clearly, Himachal's attitude towards the Punjab reorganization files was initially lax and formal. Had we explored the Punjab reorganization in the context of 7.19 percent, the situation would have been different today. This is the story of a period when the politics here was absorbed in the debate between Upper and Lower Himachal. The Punjab reorganization was not merely the inclusion of some hilly areas into Himachal, but also the adoption of the energy generated by them. If Himachal had advocated for its rights at the 7.19 percent rate at that time, the situation would have been different today. First, it continued to weigh its status under the Union Territory system, and then became a stooge of the Centre in the matter of special status. For the first time, Himachal linked water resources to its identity when, through the advocacy of Shanta Kumar, the state received a 12 percent free electricity subsidy. Subsequently, the Dhumal government set the criteria for becoming an electricity state, while in recent times, the Sukhu government has turned the wheel of Himachal's rights. In this context, Himachal has changed its arguments regarding water cess and ownership of the Shanan Hydroelectric Project. If the rights to receive free electricity from the Karcham-Wangtu Hydroelectric Project increased from 12 percent to 18 percent, it is now clear that this is a new-age economic structure.

Through the court, Himachal not only secured its share of electricity from JSW, but also received financial benefits worth approximately four hundred crores from the ownership of Hotel Wildflower Hall. The verdict in the Kishau Dam project, in the long list of court cases, has truly strengthened the foundation of Himachal's arguments and rights. Just as the Shanta Kumar government's decision to underpin the economy of the hill states ensured free electricity royalties, the court's directives on the Kishau Dam project will similarly help chart the path forward. If Himachal's electricity rights are secured without losing a penny in this project, the clarity of the decisions will enable Himachal to strengthen its struggle in the future. Many aspects of our participation as partners in the Punjab reorganization are still missing, and the day the country understands this clearly, Himachal's economic path will be assured. However, the political celebration of the verdict is unnecessary. While the Sukhu government's tenure will undoubtedly be remembered as a record, the path to this point has been traversed for years. The difference is that the current government has been bold in presenting its arguments, needs, and rights before the court. In our pursuit of being the central government's favorite children, we failed to prioritize time and need. This is why, unlike other mountain states.

Abuse of the Law in Transactional Matters

It is essential to train the police to ensure that civil litigation is the correct path to recovery in routine transactional matters. Police should refrain from invoking criminal charges in transactional matters. The Supreme Court has called for a distinction between civil and criminal cases. If fraud is not intended, a civil suit should be filed. Police officers often register criminal cases in financial transactions. This can occur for two reasons: first, intentionally, to pressure the other party to return the money, and second, out of ignorance, i.e., due to a lack of adequate legal knowledge. The law dictates that civil litigation be filed for recovery of money in transactional matters or when the terms of a contract are violated. Registering a crime in a civil case is an abuse of the legal process. Recently, in a case from Gujarat (Yogesh Premjibhai Suvariya and others v. State of Gujarat and others), the Supreme Court expressed concern over the inadequate legal knowledge of police officers and urged the police to learn to distinguish between civil and criminal cases. The case concerned the purchase and payment of steel rods. A certain amount was deposited in advance. The police report and the complainant's statements clearly outlined the transaction. Despite this, the police registered a case for fraud under Section 420 of the Indian Penal Code and for breach of trust (criminal breach of trust) under Section 406.

The Gujarat High Court did not hear the case on revision, but upon appeal to the Supreme Court, it directed the High Court to hear the case on the merits. The High Court discharged the accused under Section 406 but directed the trial court to continue the trial under Section 420. On appeal, the Supreme Court held that the facts clearly demonstrated that the case was civil in nature and that applying criminal charges was an abuse of law. Citing several prior precedents, the Supreme Court invoked its powers under Section 482 of the Code of Criminal Procedure and dismissed the case.

First, the Supreme Court clarified that Sections 420 and 406 of the Indian Penal Code deal with two distinct offenses. Section 420 deals with fraudulently acquiring property, while Section 406 deals with misappropriation of previously acquired property by breach of trust. Both offenses are independent and do not overlap. Both sections cannot be applied to the same set of facts. In civil cases, the complainant must file a petition for recovery within the statute of limitations, and the police should be trained in this regard.

There is, of course, an exception to registering a case of fraud under Section 420 in transactions. The Supreme Court clarified in the case of Puneet Berivala v. State of Delhi and others (2025) that if there was no intention to repay the amount from the outset, a Section 420 offense could be registered in such cases, depending on the facts. This case involved a land transaction in which the seller neither had the right to sell the property nor was it freehold. However, through an oral contract, the seller received an advance from the buyer. The seller later sold the property to someone else.

The Supreme Court stated that the intent in this case was fraudulent from the outset. If the intent was fraudulent from the outset, a criminal case can be filed in the transaction; otherwise, a civil suit should be filed to recover the money. It is clear that criminal cases should generally not be filed in transaction cases, and the complainant should be advised to approach the civil court. The station house officer should examine the case and, if necessary, conduct a preliminary investigation to determine whether the intent to repay the money was there from the outset. If this is found, a case of fraud can be filed. Police officers should also understand that the same set of facts cannot be applied simultaneously for fraud and breach of trust, as both offenses are separate.

Since the Supreme Court and High Courts have expressed strong objections, dismissing many such cases filed by the police, police officers should be adequately trained in this regard. Fraud or breach of trust offenses should not be registered with the intent to pressure the other party to return money. This is a gross abuse of the legal process. Civil cases cannot be criminalized in this manner. If the transaction is a written contract or involves a check or promissory note, there is a provision for speedy justice under Order 37 of the Code of Civil Procedure. Otherwise, action can be taken to recover the amount by filing a suit under Order 7.

The Supreme Court recently held in a case (Hari Dutta Sharma v. State of Uttar Pradesh) that when there is a contract for recovery, a vehicle cannot be seized at night using force. It is clear that the correct way to recover the amount is to file a civil suit, not to obtain it through other unfair legal means. In one such case, the Supreme Court imposed a fine of ?50,000 on the state of Uttar Pradesh, ordered an internal investigation against the guilty police officers, and ordered recovery from them. The court also noted that despite repeated directives, the same mistakes were being repeated. Therefore, the law requires enforcement. There is a need to be vigilant against misuse. The only difference in such cases under the new laws is that the Indian Penal Code now has Section 318(4) for fraud and Section 316(2) for breach of trust. Not just the sections, but their effect also needs to be changed.

Digital transactions demand trust.

Ten years ago, UPI, which handled 90,000 transactions a month, is now the world's largest payment system. Record growth in UPI transactions contributes significantly to the economy. Cyber ??fraud and the digital divide remain major challenges. Security, literacy, and cost models require attention. In India, money previously recorded in vaults and ledgers is now moving onto mobile screens. According to news reports before Diwali, in October 2026, 2,547 crore transactions were conducted through UPI (Unified Payments Interface) in the country, with a total value of ?31.53 lakh crore. For the first time, the average daily transaction value exceeded ?1 lakh crore. These figures indicate that the flow of money has become faster, cheaper, and transparent. However, in Indian tradition, Lakshmi is considered fickle. It is believed that she resides only where there is order, purity, and trust.

The lesson of India's digital transformation is that the government paved the way and provided everyone with the opportunity to walk on it. The trinity of Jan Dhan accounts, Aadhaar, and mobile phones, or "JAM," formed its foundation. The number of accounts opened under the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana, launched in August 2014, had exceeded 588.4 million by July 2026. UPI was built on this foundation. In August 2016, only 90,000 transactions were processed through it in its first month. In the financial year 2025-26, this number exceeded 24,000 crore, and the total value of transactions was approximately ?314 lakh crore. According to the Ministry of Finance, UPI alone accounts for approximately 49 percent of global real-time digital payments, while its share in India's total digital payments is 84 percent. Payments through UPI are now possible in 11 countries, including the UAE, France, and Singapore. DigiLocker and Direct Benefit Transfer (DBT) are crucial components of this framework, known globally as the "India Stack."

Digital payments are no longer a hobby of the wealthy, but a habit for the common man. In the financial year 2025-26, 86 percent of UPI payments to shopkeepers were for less than ?500. Tea, vegetables, and auto fares are now being paid using QR codes. Street vendors, who previously lacked written accounts, now have a digital record of their earnings. Small traders can now claim formal loans based on their transaction history. On average, over 820 million UPI transactions are taking place daily in the country, but with the light, the shadows have also increased, and the darkest shadow is that of cyber fraud. According to the Indian Cyber ??Crime Coordination Centre, 21.77 lakh fraud complaints were registered in 2025, and people lost approximately ?19,813 crore.

However, this amount is a decrease compared to the ?22,849 crore loss in 2024. Of the total losses in 2025, 77 percent were related to fraudulent investment schemes and 8 percent to "digital arrests." This means that the problem lies more in exploiting greed, fear, and lack of information than in the weaknesses of technology. The second challenge is the digital divide. The elderly, the less educated, and residents of areas with weak networks may be left behind in this race. The third question concerns data security and privacy. The fourth concerns the economic sustainability of UPI, as banks and payment companies incur costs in providing this free service. For this reason, the NPCI (National Payments Corporation of India) has proposed imposing a 0.40 percent fee (maximum Rs. 300) on payments exceeding Rs. 2,000 at shops, a fee that has been postponed until after Diwali. If the balance is disturbed, merchants may return to cash.

The solution to the challenges lies not in slowing down digital transactions, but in making them secure. This requires work on four fronts. First, the pace of preventing fraudulent transactions.

टिकट की दावेदारी के बीच मंडल अध्यक्षों को बांटीं बाइक, विधायक बनने पर स्कार्पियो का वादा

ठाकुरद्वारा के पूर्व प्रत्याशी राजपाल सिंह और बेटे अमित सिंह ने समारोह में चारों मंडल अध्यक्षों को भेंट कीं बाइक, वीडियो वायरल होने के बाद सियासी चर्चाएं तेज



मुरादाबाद की ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट पर भाजपा की उम्मीदवारी को लेकर दावेदारी के बीच पूर्व प्रत्याशी राजपाल सिंह और उनके बेटे अमित सिंह ने चारों मंडल अध्यक्षों को दीपावली पर बाइक उपहार में दीं। कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अमित सिंह ने विधायक बनने पर स्कार्पियो कार देने का वादा भी किया। विधानसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ने से पहले ही ठाकुरद्वारा में भाजपा की टिकट को लेकर सियासी गतिविधियां तेज होने लगी हैं। दावेदार अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने में जुटे हैं। इसी बीच ठाकुरद्वारा से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी और पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तथा उनके बेटे अमित सिंह का एक कार्यक्रम चर्चा में आ गया है। दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडल अध्यक्षों को बाइक उपहार में दीं।

इतना ही नहीं, अमित सिंह ने विधायक बनने पर मंडल अध्यक्षों को स्कार्पियो कार देने का वादा भी कर दिया।

कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजपाल सिंह ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर दो बार चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन दोनों ही बार उन्हें जीत नहीं मिली। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें टिकट देने के बजाय अजय प्रताप सिंह को प्रत्याशी बनाया था।

इसके बाद से राजपाल सिंह एक बार फिर इस सीट से दावेदारी कर रहे हैं। उनके बेटे अमित सिंह भी उम्मीदवारी के लिए सक्रिय हैं।

इसी बीच दीपावली के अवसर पर आयोजित समारोह में ठाकुरद्वारा के चारों मंडल अध्यक्षों को नई बाइक की चाबियां सौंपी गईं। कार्यक्रम में अमित सिंह ने कहा कि मंडल अध्यक्ष चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जीत की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होती है। चुनाव के दौरान उनकी भागदौड़ बढ़ जाती है, इसलिए कामकाज में सहूलियत के लिए उन्हें बाइक उपहार में दी गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वह विधायक बनते हैं तो मंडल अध्यक्षों को स्कार्पियो कार देंगे।

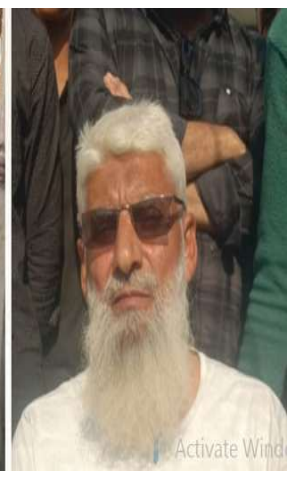
समारोह में राजपाल सिंह भी मंडल अध्यक्षों को बाइक की चाबियां भेंट करते नजर आए। बाइक देने और स्कार्पियो का वादा करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इसे आगामी विधानसभा चुनाव की दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है। राजपाल सिंह ने कहा कि मंडल अध्यक्ष चुनाव में महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। चुनाव नजदीक आने पर उनका काम बढ़ेगा। उनके पास बाइक नहीं होने पर साइकिल से भागदौड़ करना मुश्किल होगा। इसलिए चुनाव संबंधी कार्यों में सहूलियत के लिए उन्हें नई बाइक खरीदकर दी गई हैं।टिकट का फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा

भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल ने कहा कि पार्टी में टिकट के कई दावेदार हैं। किसे प्रत्याशी बनाया जाएगा, इसका निर्णय पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी करेंगे। उपहार देने के संबंध में उन्होंने कहा कि यह संबंधित व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है कि वह किसे क्या उपहार देता है।

उन्होंने साफ किया कि ठाकुरद्वारा सीट पर टिकट के कई दावेदार हैं। पार्टी का प्रत्याशी कौन होगा, इसका निर्णय वरिष्ठ पदाधिकारी करेंगे। ऐसे में मंडल अध्यक्षों को बाइक दिए जाने के कार्यक्रम के बीच टिकट को लेकर चल रही चर्चाओं पर पार्टी की ओर से फिलहाल कोई संकेत नहीं दिया गया है।

बदला लिया है..., झारखंड के युवक ने ली हत्या की जिम्मेदारी; हमले के आरोपी शरीफ पर दागीं थीं आठ गोलियां





रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमले के आरोप से बरी हुए मोहम्मद शरीफ खां को आठ गोलियां लगी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या की वारदात में इस्तेमाल हुए असलहे को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। झारखंड के युवक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली है।रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमले के आरोप से बरी हुए मोहम्मद शरीफ खां की हत्या में हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाते हुए आठ गोलियां मारी थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर पर गोली लगने के आठ निशान मिले हैं। शरीर से .32 बोर की बुलेट भी बरामद हुई है।

इस बीच झारखंड के रांची निवासी युवक राहुल सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली है। उसने दावा किया है कि हमले में जवानों की शहादत का बदला लिया है। पुलिस ने वायरल पोस्ट की जांच शुरू कर दी है।उधर, हत्या को लेकर राहुल सिंह नाम की आईडी से सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। पोस्ट में सीआरपीएफ कैंप पर हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा गया है कि इस हमले में देश के सात जवान शहीद हुए थे।अदालत से जवानों को इंसाफ तो नहीं मिला, लेकिन अब हमने इंसाफ कर दिया है।

पोस्ट में हमले में शामिल अन्य लोगों को भी चेतावनी दी गई है। पोस्ट वायरल होते ही पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि राहुल सिंह नाम की आईडी के पीछे कौन है और हत्या से उसका क्या संबंध है। पोस्ट में किए गए दावों की सत्यता की जांच के साथ ही हत्या के मामले में सामने आए अन्य साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है। एसपी अनिल सिंह सिसोदिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने की जानकारी मिली है। पोस्ट करने वाला झारखंड के रांची का रहने वाला बताया जा रहा है। प्रकरण को गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

वारदात के बाद पुलिस की छह टीमें अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही हैं। हत्या के पीछे की वजह, रंजिश और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस पड़ताल कर रही है। मामले में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या की वारदात में इस्तेमाल हुए असलहे को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। माना जा रहा है कि यह बुलेट पिस्टल या फिर रिवाल्वर से चलाई गई होगी। लेकिन असलहा बरामदगी तक इसकी पुष्टि करने से पुलिस बच रही है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिल गई है।

इसमें शरीफ के शरीर में आठ गोलियां लगने की बात सामने आई है। साथ ही शरीर के भीतर .32 बोर की बुलेट मिलने की बात भी सामने आई है। शरीफ की हत्या को अंजाम देने के तरीके से साफ है कि हमलावरों ने पूर्व नियोजित तरीके से उसे निशाना बनाकर करीब से गोलियां चलाईं थीं। पुलिस वारदात से जुड़े घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। मृतक के परिचितों, परिजनों और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना से पहले शरीफ की किसी से कहासुनी या विवाद तो नहीं हुआ था। पुलिस संभावित रंजिश, आपसी विवाद और अन्य कारणों को भी जांच के दायरे में रखकर चल रही है। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शरीफ के शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। कड़ी सुरक्षा में देर शाम उसके शव को सुपुर्द ए खाक किया गया। थाने से हाजिरी लगाकर लौटते समय हुई थी हत्या- खजुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम अकिलपुर उर्फ बदनपुरी निवासी मोहम्मद शरीफ खां की मंगलवार की शाम दो बाइक सवारों ने उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह अपने बेटे मोहम्मद वाइज खां के साथ खजुरिया थाने में हाजिरी लगाकर बाइक से लौट रहा था। परिजन घायल शरीफ को इलाज के लिए बिलासपुर सीएचसी लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप था कि शरीफ की हत्या पुलिस ने योजनाबद्ध ढंग से कराई है। हत्या की इस वारदात के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया था।

सीआरपीएफ कैंप पर हमले से बरी हो चुका था शरीफ- सीआरपीएफ कैंप पर हमले के आरोप से मोहम्मद शरीफ बरी हो चुका है। उसे रामपुर के सेशन कोर्ट की ओर से फांसी की सजा दी गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने उसे बरी कर दिया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट की ओर से सुनाई गई दस साल की सजा को माफ नहीं किया था। वह 17 साल जेल में रहने के बाद पिछले साल सेंट्रल जेल से रिहा हुआ था।

मोहम्मद शरीफ की हत्या के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही इस पूरे प्रकरण का खुलासा हो जाएगा।- अनुराग सिंह, एएसपी-रामपुर

कई दिनों से डरे-डरे से लग रहे थे शरीफ- ग्रामीणों का कहना था कि मोहम्मद शरीफ खां बीते चार दिनों से न जाने क्यों डरे-डरे से लग रहे थे। परिजनों के मुताबिक, वह कुछ दिनों से खाना भी कम खा रहे थे। उनका बदला हुआ व्यवहार देखकर घर के लोग भी चिंतित थे, लेकिन उन्होंने किसी से अपने मन की बात साझा नहीं की थी।

घरों में नहीं जले चूल्हे-मोहम्मद शरीफ खां की हत्या के बाद बुधवार को उनके घर के साथ ही आसपास के घरों में भी चूल्हे नहीं जले। दूर-दराज से आए मेहमानों को दूसरे मोहल्ले के लोग चाय लाकर पिला रहे थे। हर कोई गम में डूबा था और किसी को खाने-पीने की सुध नहीं थी।

गलियों में पसरा सन्नाटा- अकिलपुर उर्फ बदनपुरी गांव की जिन गलियों में पूरे दिन बच्चे खेलते-कूदते थे, वहां दिवाली की छुट्टी के बावजूद बुधवार को बच्चों की चहल-पहल कम रही। गलियों में सन्नाटा पसरा था। लोग जगह-जगह खड़े होकर और पेड़ों के नीचे बैठकर मोहम्मद शरीफ की हत्या को लेकर चर्चा करते दिखाई दिए।

कोई खुलकर बोलने को तैयार नहीं- गांव में हर कोई हत्या को लेकर चर्चा तो कर रहा था, मगर कोई भी व्यक्ति इसकी वजह को लेकर खुलकर बोलने को तैयार नहीं था। लोग एक-दूसरे का मुंह ताक रहे थे। किसी अनहोनी की आशंका के चलते लोग बातचीत में भी सतर्कता बरत रहे थे।

कोई दुश्मनी नहीं, इन्साफ चाहिए- मोहम्मद शरीफ की हत्या को लेकर परिवार के लोग किसी से दुश्मनी नहीं होने की बात कह रहे थे। सभी की जुबान पर एक ही बात थी कि शरीफ के हत्यारों को गिरफ्तार किया जाए, ताकि उन्हें इन्साफ मिल सके। परिजनों ने शरीफ का कोई दुश्मन न होने की बात भी कही।

कब्रिस्तान में निरीक्षण पर एतराज- बुधवार शाम पुलिस ने सुपुर्द-ए-खाक से पहले कब्रिस्तान पहुंचकर आसपास का निरीक्षण किया तो कुछ लोगों ने एतराज जताया। पुलिस ने उन्हें समझाया, जिसके बाद सभी शांत हो गए और दफन की प्रक्रिया आगे बढ़ी। सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस- पुलिस की टीमों ने बुधवार को घटनास्थल के आसपास सड़क किनारे और अन्य गांवों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके जरिये आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की गई। सीओ पीपी सिंह का कहना है कि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। फुटेज के आधार पर हत्यारों के भागने की दिशा का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

परिजनों ने पुलिस पर लगाया था आरोप- अस्पताल पहुंचे परिजनों ने खजुरिया पुलिस पर हत्या कराने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। बाद में पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पुलिस का कहना था कि घटना को अंजाम देने वालों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

थाने बुलाने को लेकर उठे सवाल- परिजनों के अनुसार, खजुरिया थाने में तैनात एक सिपाही ने मंगलवार को शरीफ के भाई साईन खां को कई बार फोन किया था। सिपाही ने फोन कर कहा था कि वह अपने बड़े भाई मोहम्मद शरीफ खां को थाने भेज दें, थाना प्रभारी उन्हें बुला रहे हैं। इसके बाद शरीफ शाम करीब 6:30 बजे अपने पुत्र के साथ खजुरिया थाने पहुंचे थे। हत्यारों की तलाश में दबिश- पुलिस हत्यारों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। सीओ पीपी सिंह का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम हो गया है, लेकिन अभी पीएम रिपोर्ट नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। उन्होंने पुलिस पर लगाए गए आरोपों को जांच का विषय बताया है। नाम शरीफ था तो स्वभाव भी था शरीफ- गांव के लोगों और रिश्तेदारों के बीच चर्चा थी कि मृतक का नाम मोहम्मद शरीफ खां था और वह वास्तव में स्वभाव से भी शरीफ थे।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे की कमाई में आया उछाल, मुरादाबाद मंडल ने अक्टूबर में जुटाए 163 करोड़

पिछले साल के मुकाबले राजस्व में 17.78 प्रतिशत की बढ़ोतरी, माल ढुलाई और पार्किंग से होने वाली आय में भी इजाफा-



उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने अक्टूबर में 163.29 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। पिछले साल इसी महीने की तुलना में कमाई 17.78 प्रतिशत बढ़ी है। यात्री आय से सबसे ज्यादा 85.48 करोड़ रुपये मिले, जबकि माल ढुलाई से 62.67 करोड़ रुपये का राजस्व आया।त्योहारों के सीजन में यात्रियों की आवाजाही और माल ढुलाई से रेलवे की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने अक्टूबर में कुल 163.29 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह पिछले साल अक्टूबर में हुई कमाई से 17.78 प्रतिशत अधिक है। मंडल की आय में सबसे बड़ा योगदान यात्री किराये का रहा, जबकि माल ढुलाई और गैर-किराया स्रोतों से भी कमाई बढ़ी है। अक्टूबर में यात्री आय से मंडल को 85.48 करोड़ रुपये मिले। पिछले साल के इसी महीने की तुलना में इसमें 9.20 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं माल ढुलाई से 62.67 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 28.36 प्रतिशत अधिक है। अन्य कोचिंग आय के रूप में 7.08 करोड़ रुपये मिले। इस मद में भी 14.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।विविध आय से रेलवे को 8.06 करोड़ रुपये की कमाई हुई। इस श्रेणी में पिछले साल की तुलना में 50.96 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रेलवे ने पार्किंग, विज्ञापन और अन्य गैर-किराया स्रोतों से भी राजस्व बढ़ाया है।पार्किंग से कमाई में सबसे तेज उछाल- पार्किंग अनुबंध से अक्टूबर में 39.39 लाख रुपये की आय हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 216.13 प्रतिशत अधिक है। वहीं एनएफआर अनुबंधों से 1.18 करोड़ रुपये मिले। इस मद में 112.37 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पे एंड यूज शौचालय अनुबंध से भी 11.60 लाख रुपये की कमाई हुई, जो पिछले साल की तुलना में 37.44 प्रतिशत अधिक है। मुरादाबाद मंडल में अक्टूबर के दौरान पार्किंग अनुबंध से होने वाली आय में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले साल की तुलना में यह 216.13 प्रतिशत बढ़कर 39.39 लाख रुपये पहुंच गई। वहीं एनएफआर अनुबंधों से 1.18 करोड़ रुपये की आय हुई, जिसमें 112.37 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

दहेज की मांग पूरी न होने पर गर्भवती से मारपीट, गर्भपात का आरोप

धमोरा। दहेज की अतिरिक्त मांग पूरी नहीं होने पर गर्भवती विवाहिता के साथ मारपीट करने और इसके चलते गर्भपात होने का गंभीर आरोप लगाया गया है। पीड़िता का कहना है कि शादी में मायके पक्ष ने करीब 12 लाख रुपये खर्च किए थे, इसके बावजूद ससुराल वाले पांच लाख रुपये और मांग रहे थे। मामले में शहजादनगर पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहजादनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ज्योति शर्मा उर्फ मोहिनी की शादी 19 फरवरी 2026 को मिलक थाना क्षेत्र के धनैली पूर्वी गांव निवासी पवन शर्मा से हुई थी। विवाहिता के मुताबिक, शादी के कुछ समय बाद ही पति पवन शर्मा, जेठ मनोज शर्मा, जेठानी और तीन ननदों ने पांच लाख रुपये अतिरिक्त लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ आए दिन मारपीट और प्रताड़ना की जाती थी।

आरोप है कि 23 मई को गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट की। इससे उसे गंभीर चोटें आईं और गर्भपात हो गया। इसके बाद 28 अगस्त को पति को दूसरी महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखने पर विरोध किया तो उसके साथ फिर मारपीट की गई और घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत की।

थानाध्यक्ष कुलदीप राणा ने बताया कि पति पवन शर्मा, जेठ मनोज शर्मा, जेठानी कमलेश और ननद सपना, रानी व ज्योति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सीओ राजवीर परिहार के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

छठ पूजा आज से घाट से लेकर हाट तक छाई महापर्व की छटा, सूप-दउरा और फलों की खूब हुई खरीदारी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर घाटों की सफाई शुरू हो गई है। शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। बाजारों में पूजन सामग्री, सूप, दउरा, टोकरी और फलों की दुकानें सज गई हैं। व्रती महिलाओं और उनके परिवारों ने पूजा की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। खरीदारी के लिए लोग बाजार पहुंच रहे हैं। दुकानदारों ने भी पर्व को देखते हुए अपनी दुकानों पर छठ पूजा से जुड़ी सभी जरूरी सामग्री मंगा ली है।

शहर की न्यू मॉडल रेलवे कॉलोनी में छठ पूजा का बाजार सज गया है। आसपास के क्षेत्रों के लोग यहां पहुंचकर खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में टोकरी की कीमत 40 रुपये से शुरू हो रही है, जबकि सूप 150 से 200 रुपये तक बिक रहा है। नारियल 60 से 80 रुपये प्रति पीस और टकोतरा 60 रुपये प्रति पीस बिक रहा है। बाजार में केला, अनानास, किन्नू और सेब सहित विभिन्न फल उपलब्ध हैं। पूजा के लिए अलता पत्ता, सुहाग, शृंगार का सामान और साठी के चावल की खूब बिक्री हो रही है।

छठ पूजा के दौरान खरना का प्रसाद और अर्घ्य के लिए ठेकुआ बनाने में आम की लकड़ी का विशेष महत्व है। इसे देखते हुए बाजार में आम की लकड़ी और मिट्टी के चूल्हे की मांग बढ़ गई है। आम की लकड़ी 25 से 30 रुपये प्रति किलो बिक रही है।

जनगणना 2026: घर बैठे खुद भरें अपने परिवार की जानकारी, 1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेगी टीम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)। देश में आगामी जनगणना की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार आम लोगों की सुविधा के लिए सरकार ने ऑनलाइन स्व-गणना (Self-Enumeration) की शुरुआत की है। अब लोग प्रगणकों का इंतजार किए बिना घर बैठे खुद अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकेंगे। ?कैसे करें ऑनलाइन स्व-गणना? ?पोर्टल= नागरिक केंद्र सरकार की आधिकारिक वेबसाइट se.census.gov.in पर जाकर महज 15 से 20 मिनट में अपने मकान और परिवार की जानकारी भर सकते हैं। ?एसई आईडी (स्श्व ढ्ढष्ठ) संभालकर रखें= फॉर्म भरने के बाद आपको एक विशेष एसई आईडी मिलेगी। 1 दिसंबर 2026 से जब जनगणना टीम (प्रगणक) आपके घर आएगी, तो सत्यापन के लिए उन्हें यह आईडी दिखाना अनिवार्य होगा। आईडी न देने पर ऑनलाइन प्रक्रिया अधूरी मानी जाएगी और प्रगणक को दोबारा पूरी जानकारी जुटानी होगी। अफवाहों पर प्रशासन की सख्त नजर- अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और मीडिया के जरिए लोगों को जागरूक कर रहा है। साथ ही, प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें या अफवाहें न फैलाने की सख्त हिदायत दी है। किसी भी संदिग्ध या गलत सूचना की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। ?सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जनगणना या स्व-गणना से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है= जिला हेल्पलाइन (बरेली)= 0581-2422202, 0581-2428188 यूपी जनगणना निदेशालय (टोल-फ्री)= 1855 प्रशासन ने सभी नागरिकों से सही जानकारी देकर विकास योजनाओं की बेहतर रूपरेखा तैयार करने में सहयोग की अपील की है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सम्प्रेक्षण गृह से किशोर के फरार होने के मामले में मजिस्ट्रियल जांच शुरू, 21 नवम्बर तक दे सकेंगे साक्ष्य

बरेली। (ब्यूरो)। राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) से अपचारी किशोर रिहान पुत्र निवासी फरीदापुर इज्जतनगर के मजिस्ट्रियल जांच मजिस्ट्रेट (नगर) जांच के लिए नगर कुमार वर्मा को



अहसान अली, चौधरी, थाना पलायन मामले की होगी। अपर जिला ने इस प्रकरण की मजिस्ट्रेट राजेश नामित किया है। ?नगर मजिस्ट्रेट के अनुसार, इस मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी, मौखिक या लिखित साक्ष्य रखने वाला कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था 21 नवम्बर शनिवार को प्रात: 11=00 बजे या किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय के दौरान नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय में उपस्थित होकर अपना बयान व साक्ष्य दर्ज करा सकता है।

अचानक भरभराकर गिरा बिजली का खंभा, बाल-बाल बचे राहगीर

बरेली।(ब्यूरो) शहर के व्यस्त श्यामगंज पुल के नीचे बुधवार को स्ट्रीट लाइट का खंभा अचानक गिर पड़ा। गनीमत रही कि इसकी चपेट में



आने से दरगाह शाहदाना वली के मीडिया प्रभारी वसी अहमद वारसी समेत कई लोग बच गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों की सुरक्षा और उनकी देखरेख पर सवाल उठाए हैं।

स्थानीय लोगों व दुकानदारों का कहना है कि नगर निगम को शहर की प्रमुख सड़कों और व्यस्त इलाकों में लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों का नियमित निरीक्षण कराना चाहिए। यदि कोई खंभा जर्जर या कमजोर है तो उसे समय रहते बदलवाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे की आशंका न रहे। वसी अहमद वारसी ने भी संबंधित अधिकारियों से शहर में लगे खंभों की जांच कराने की मांग की है। जर्जर खंभों की समय पर हो मरम्मत- स्थानीय लोगों का कहना है कि स्ट्रीट लाइट के खंभे शहर की प्रमुख सड़कों, चौराहों और पुलों के आसपास लगे हैं। इन स्थानों पर दिनभर लोगों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में खंभों की मजबूती और उनकी स्थिति की नियमित जांच कराना जरूरी है। कई बार खंभे लंबे समय तक रखरखाव के अभाव में कमजोर हो जाते हैं, जिससे उनके गिरने का खतरा बना रहता है।

रोमांचक मुकाबले में आज़ाद क्लब ने बाजी मारी, अज़ीम बने मैन ऑफ द मैच

फतेहगंज= चेयरमैन क्रिकेट क्लब आज पहला मैच खेल गया







था जो की आजाद क्लब ब नेचुरल स्टार के बीच खेला ज्ञ था टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए आज़ाद क्रिकेट क्लब ने 10 ओवर में 79 रन बनाए 9 विकेट पर जिसे चेस करने उतरी नेचुरल स्टार ने 10 ओवर में 63 रन ही बना पाए मैन ऑफ़ द मैच अज़ीम को दिया ज्ञ 7 बॉल में 17 रन बनाये और बॉलिंग में 3 ओवर में 3 2द्बष्द्मद्गह्ल भी लिए चेयरमैन क्रिकेट क्लब में टोटल 12 टीमों में हिस्सा लिया है जिसका आज पहला मैच खेला ज्ञा 9 टीम फतेहगंज की ह बाक़ी 3 टीम पास की ही

मिशन शक्ति अभियान तहत फरीदपुर में नवनिर्मित पिंक बूथ का भव्य उद्घाटन, नारी सुरक्षा और स्वावलंबन का दिया संदेश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) । महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत आज पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा ने थाना फरीदपुर की चौकी देवरनियां में नवनिर्मित पिंक बूथ का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों और महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

एसपी दक्षिणी ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या समस्या की स्थिति में बिना किसी संकोच के पुलिस से संपर्क करें और हेल्पलाइन सेवाओं का लाभ उठाएं।

कार्यक्रम के अंत में आत्मनिर्भर बनने का संदेश देते हुए वहां मौजूद किशोरियों का उत्साहवर्धन किया गया और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी फरीदपुर, प्रभारी निरीक्षक धनंजय पांडे सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्राचीन महादेव मंदिर में आयोजित दीपदान कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालु, क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने भक्तों के साथ दीपदान किया

@ क्यूँ न लिखूँ सच

कालपी जालौन (नीरज चतुर्वेदी) बुधवार को यम द्वितीया के अवसर पर स्थानीय नगर के सदर बाजार स्थित प्राचीन महादेव मन्दिर मे आयोजित दीप दान कार्यक्रम में मुख्य अतिथ के तौर पर पधारे क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने भक्तों के साथ महाआरती तथा दीपदान में हिस्सा लिया।

मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने भगवान भोलेनाथ व मां दुर्गा के समक्ष पांच - पांच दीपक प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मन्दिर समिति के अध्यक्ष अनिल पुरवार ने मुख्य अतिथियों का तिलक बंधन व पगड़ी पहना कर माल्यार्पण कर स्वागत किया। मंदिर के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महादेव मंदिर समिति के संरक्षक समिति सदस्यों रविन्द्र पुरवार, लखन लाल द्विवेदी, नरेश द्विवेदी, मेवालाल साहू, रवि दीक्षित, बब्बू अग्रवाल, दिलीप द्विवेदी, कपिल दीक्षित, गोपाल जी द्विवेदी, अमित अग्रवाल, जग्गी सोनी, राधे पांडेय, बबलू पांडे, अजय साहू संतोष साहू अंकित अग्रवाल योगेश द्विवेदी सहित भक्तों, माताओं, बहिनों, रामश्री साहू कुशमा द्विवेदी मंजिली द्विवेदी ममता द्विवेदी गुड्डी द्विवेदी रचना साहू सीमा द्विवेदी मोनी अग्रवाल उमा द्विवेदी राम द्विवेदी मधु दीक्षित मीनाक्षी अन्नपूर्णा पांडे मालती साहू आदि ने दीप दान कर मन्दिर परिषर को जगमग किया। मुख्य अतिथि ने खूबसूरत रंगोली की सराहना की और रंगोली बनाने वाले बच्चों को पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि विनोद चतुर्वेदी ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि इस पावन पर्व पर दीप दान करने का बड़ा महत्व है। इसके माध्यम से नरक से मुक्ति पूर्वजों को शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। और धन धान्य व सुख सम्रद्धि की व्रद्धि होती है । दीप दान यम शनि राहू और केतु जैसे ग्रहों के बुरे प्रभाव को दूर करने के लिए भी किया जाता है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी के गंगाजली पूजन में शामिल योगी आदित्यनाथ एवं देश के कई चर्चित नेता एवं ग्रामीण क्षेत्र से हुए नटेरन जनपद अध्यक्ष

@ क्यूँ न लिखूँ सच



(हाकम सिंह रघुवंशी) केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई जी के देवलोकगमन के उपरांत भोपाल के वृंदावन गार्डन में आयोजित गंगाजली पूजन कार्यक्रम में गंजबासौदा विधायक हरि सिंह रघुवंशी सिरोंज विधायक एवं विदिशा जिले के सभी विधायक गण जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी नटेरन जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय काशी बाई जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

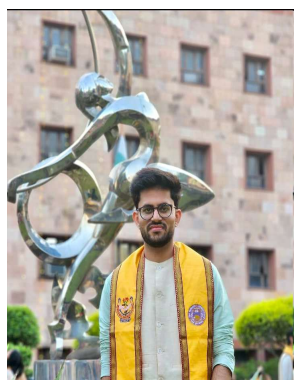
कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित देशभर के अनेक वरिष्ठ नेता, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विदिशा जिले के सभी विधायकगण, भाजपा जिला अध्यक्ष महाराज सिंह ठाकुर, भाजयुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष देवेश मीणा, महेंद्र रघुवंशी, विदिशा जिला पूर्व मीडिया प्रभारी देवेंद्र उर्फ देबू भैया रघुवंशी दुष्यंत धाकड़, राजू पटेल, दीपक शर्मा सहित बड़ी संख्या में विदिशा जिले के भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

विदिशा के डॉ. आर्यन खरबंदा ने रचा इतिहास, प्रतिष्ठित परीक्षा में हासिल की ऑल इंडिया रैंक 60

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) योगेंद्र वासुदेव विदिशा शहर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि पायनियर एजेंसिज के श्री गुलशन खरबंदा के सुपुत्र डॉ. आर्यन खरबंदा ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईएनआई-सीईटी), जिसे एम्स पीजी प्रवेश परीक्षा के नाम से भी जाना जाता है, में ऑल इंडिया रैंक 60 हासिल कर अपनी असाधारण प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 99.9 परसेंटाइल प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर विदिशा एवं मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। डॉ. आर्यन की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, लगन और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे पूर्व भी उन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्नातक प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें देश के प्रतिष्ठित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए प्रवेश मिला था।खरबंदा परिवार की शैक्षणिक उपलब्धियों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए डॉ. आर्यन के बड़े भाई आयु खरबंदा भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर एवं भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के पूर्व छात्र हैं।डॉ. आर्यन खरबंदा की इस ऐतिहासिक सफलता से खरबंदा परिवार, उनके शुभचिंतकों एवं विदिशा में हर्ष और गर्व का माहौल है। उनकी यह उपलब्धि निश्चित रूप से शहर के युवाओं और चिकित्सा क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। डॉ. आर्यन खरबंदा को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएं।

टुकटुक कार मे टक्कर मार कर दुकान में घुसी, दुकानदार घायल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी। रबर फैक्ट्री कॉलोनी गेट के पास बरेली की ओर से आ रही तेजरफ़्तार अनियंत्रित एक टुकटुक ने कॉलोनी मे मूड रही कार मे टक्कर मार दी।

इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खुली दुकान में जा घुसी। हादसे के समय दुकान में बैठे सतुईया खास निवासी विजेंद्र पाल सिंह पुत्र चंद्रपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में विजेंद्र पाल सिंह के कमर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रवीन कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

छपरा-दिल्ली के बीच दो जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा रेलवे, बरेली होकर गुजरेंगी

यात्रियों के बढ़ते दबाव के बीच रेलवे ने छपरा दिल्ली के बीच दो जोड़ी विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें बरेली जंक्शन होकर गुजरेंगी। इनका संचालन एक-एक फेरे के लिए किया जाएगा।त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। छपरा से दिल्ली और छपरा से नई दिल्ली के बीच चलने वाली ये ट्रेनें बरेली जंक्शन होकर गुजरेंगी। दोनों ट्रेनों का संचालन एक-एक फेरे के लिए किया जाएगा। इससे बरेली समेत आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को दिल्ली और पूर्वांचल की ओर आवागमन में सहूलियत मिलेगी। मुरादाबाद मंडल की ओर से जारी सूचना के अनुसार, ट्रेन संख्या 05071/05072 छपरा-दिल्ली-छपरा स्पेशल 17 नवंबर को छपरा से रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन 18 नवंबर को दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में 18 नवंबर को दिल्ली से चलकर 19 नवंबर को छपरा पहुंचेगी। छपरा से चलने वाली ट्रेन बरेली जंक्शन पर 11=08 बजे पहुंचेगी और 11=10 बजे रवाना होगी। वापसी में दिल्ली से आने वाली ट्रेन बरेली में रात 1=38 बजे पहुंचेगी और 1=40 बजे रवाना होगी।

अमरपुरकाशी में श्री रामलीला मंचन का शुभारंभ



बिलारी । क्षेत्र के अमरपुरकाशी में श्री आदर्श बज रामलीला कला मंडल की ओर से प्रथम दिन गणेश पूजन कर रामलीला मंचन का चंद शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सनातन धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज चौहान ने फीता काटकर मंचन शुरू कराया मंचन इक्कीस नवंबर तक चलेगा।

श्री आदर्श ब्रज रामलीला कमेटी के अध्यक्ष खंदारी सिंह यादव ने मुख्य अतिथि पंकज चौहान और मेघराज सैनी का स्वागत किया। प्रथम दिवस नारद मोह और भगवान विष्णु की लीला का दृश्य दिखाया गया।

कमेटी के राजू यादव, अशोक यादव, जयवीर यादव, सुदीप कुमार, ओम प्रकाश, विनोद सैनी आदि रहे।

एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी के गठबंधन पर कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी



बिलारी । असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लेमीन (एआईएमआईएम) और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के बीच गठबंधन होने की खुशी में दोनों दलों के कार्यकर्ता डा अंबेडकर पार्क में एकत्र हुए,

भगवान बुद्ध के जयकारे लगाए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

बाबा साहेब की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। कार्यकर्ता हाईवे पर जुलूस के रूप में नई तहसील के सामने स्थित डॉ. आंबेडकर पार्क पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने गठबंधन पर हर्ष व्यक्त किया

और एक-दूसरे को बधाई दी, मिष्ठान वितरण किया। कार्यकर्ताओं में गठबंधन को लेकर उत्साह दिखा।

एकजुटता का संकल्प लिया। इस दौरान प्रभांक सिंघम, चंद्रगुप्त मौर्य, समरप्रीत जिला उपाध्यक्ष, डॉ धर्मवीर यादव, शाकिर, फहीम, अफसर, नजर आदि रहे।

संस्कृत बोर्ड परीक्षाएं 9 से 19 फरवरी तक, शिक्षा परिषद ने जारी किया कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश संस्कृत शिक्षा परिषद ने संस्कृत बोर्ड परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 9 फरवरी से शुरू होकर 19 फरवरी तक चलेंगी। परीक्षा कार्यक्रम जारी होने से विद्यार्थियों को तैयारी की रूपरेखा बनाने में मदद मिलेगी। परीक्षार्थियों को लिए कार्यक्रम देखना होगा।उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। पूर्व मध्यमा द्वितीय से से शुरू होकर 19 फरवरी तक चलेंगी। परिषद के सचिव परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। पहली पाली पाली दोपहर दो बजे से शाम 5ः15 बजे तक होगी। नौ की अनिवार्य संस्कृत की परीक्षा होगी। इसके बाद 10 फरवरी विज्ञान, भौतिक विज्ञान और व्यवसाय अध्ययन समेत अन्य 13 को विज्ञान और वाणिज्य के पेपर 12 फरवरी को हिंदी, परीक्षा होगी। 13 फरवरी को विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षाशास्त्र, निर्धारित किए गए हैं। 15 फरवरी को संस्कृतशास्त्र, विभिन्न और प्राच्य विज्ञान एवं वाणिज्य से जुड़े विषयों की परीक्षाएं विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान, अंग्रेजी, तुलनात्मक दर्शन, संगीत,



विषयवार तारीखों और समय की जानकारी के परिषद, लखनऊ ने वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं उत्तर मध्यमा द्वितीय स्तर तक की परीक्षाएं 9 फरवरी ओपी त्रिपाठी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सुबह 8ः30 बजे से 11ः45 बजे तक और दूसरी फरवरी को सभी स्तरों और वर्गों के विद्यार्थियों को सामाजिक विज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीति विषयों की परीक्षाएं होंगी।12 फरवरी को भाषा, पालि, प्राकृत और नेपाली जैसे भाषा विषयों की कंप्यूटर विज्ञान, भूगोल और इतिहास के पेपर वेद, व्याकरण, साहित्य, दर्शन, ज्योतिष, आयुर्वेद होंगी। 16 से 19 फरवरी के बीच अर्थशास्त्र, रसायन वाद्य संगीत, लेखाशास्त्र और अन्य वैकल्पिक विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विषयों के अनुसार अलग-अलग समय-सारिणी निर्धारित की गई है। परीक्षा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के निर्देश-परिषद ने जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश दिया है कि परीक्षा कार्यक्रम का अपने स्तर से और प्रधानाचार्यों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराएं। जिला सूचना अधिकारी, लखनऊ से भी विज्ञप्ति को जनहित में समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने का अनुरोध किया गया है। विद्यार्थियों और अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी कक्षा और वर्ग के अनुसार विषयवार समय-सारिणी का मिलान कर परीक्षा की तैयारी करें।

अखिलेश ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चे का किया स्वागत, बोले- भाजपा को 2-3% वोटों का और नुकसान होगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के सामाजिक परिवर्तन मोर्चे का स्वागत किया। उन्होंने दावा किया कि नए राजनीतिक विकल्प से भाजपा को दो से तीन प्रतिशत वोटों का नुकसान हो सकता है। अखिलेश ने पीडीए समाज की आवाज उठाने वाले दलों को सहयोग देने की बात कही।सपा अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट कर कहा- पीडीए समाज की आवाज उठाने वाले हर दल का करेंगे सहयोग; बोले- मोर्चों से लोकतंत्र मजबूत होता है, लेकिन मंशा समाज की भलाई की होनी



चाहिए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक स्तर पर परिवर्तन जरूरी है, लेकिन वास्तविक सफलता तभी मिलेगी, जब राजनीतिक परिवर्तन का मोर्चा भी सक्रिय होगा। अखिलेश ने दावा किया कि इस तरह के नए राजनीतिक विकल्प से भाजपा को दो से तीन प्रतिशत वोटों का नुकसान हो सकता है।

अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पीडीए समाज के हित में साम्प्रदायिक ताकतों से लड़ने और उसकी आवाज उठाने वाले दलों की ईमानदार आवाज जनता तक पहुंचाने में सपा सहयोग करेगी। उनके मुताबिक, इससे उन लोगों के सामने भी एक विकल्प खुलेगा, जो भावनात्मक नारों और बहकावे में आकर साम्प्रदायिक शक्तियों को वोट दे देते हैं।

बोले- वोटों की ठेकेदारी प्रथा खत्म होनी चाहिए

सपा अध्यक्ष ने कहा कि केवल बयानबाजी से सरगर्मी पैदा करने वालों का सच जनता समझती है। ऐसे मोर्चों से लोकतंत्र मजबूत होता है, बशर्ते उनके पीछे अपने समाज की भलाई की मंशा हो। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई दल किसी की सियासत की कठपुतली बनकर रह जाता है तो जनता उसे चुनाव में सबक सिखा सकती है।

अखिलेश ने उम्मीद जताई कि राजनीति में 'वोटों की ठेकेदारी प्रथा' खत्म होगी और हर दल अपने समाज के हित में काम करेगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जिसका आधारभूत वोट ज्यादा होगा, परिवर्तन चाहने वाली जनता उसी की ओर जाएगी। उनके मुताबिक, पीडीए से बड़ा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। पोस्ट के अंत में अखिलेश यादव ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चे को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

समय सीमा में करें छात्रवृत्ति का आवेदन, बताए जरूरी अभिलेख

बिलारी । अनवार इंटर कॉलेज मुड़िया राजा में नेशनल एकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट एवं नागरिक एकता परिषद की ओर से विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया, विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, आवश्यक अभिलेखों तथा आवेदन में होने वाली सामान्य त्रुटियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ह्यूमन राइट डिफेंडर प्रेम कुमार ने कहा अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी आर्थिक कठिनाइयों और सरकारी योजनाओं की जानकारी न होने के कारण अपनी पढ़ाई जारी रखने में परेशानियों का सामना करते हैं। छात्रवृत्ति योजनाएं ऐसे विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण हैं। आवेदन करते समय आधार कार्ड, बैंक पासबुक, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र तथा शैक्षिक अभिलेखों में सही जानकारी का होना आवश्यक है। विद्यार्थी समय सीमा के भीतर आवेदन करें और आवेदन की स्थिति की जानकारी भी लेते रहें। विद्यालय प्रबंधक अनवार हुसैन ने इस पहल की सराहना की। संचालन गोपाल शर्मा ने किया। कार्यक्रम में अमित मोहन सक्सेना, मोहम्मद आमिर, संकेत सक्सेना, हुमा अनवार, सुमन रानी, इरम जहां, प्रशांत भारद्वाज, रवि प्रकाश भारती, विनीत कुमार, नगमा अनवर एवं चरन सिंह मौर्य रहे।



बंधुवा मज़दूर और मानव तस्करी

मानव तस्करी बल, धोखाधड़ी या प्रलोभन जैसे माध्यमों से महिलाओं पुरुषों और बच्चों का अधिग्रहण और शोषण है। बँधुवा श्रम ग़रीबी और असमानता का एक पहलू है जो श्रमिकों और मालिकों के बीच अन्याय पूर्ण सामाजिक और आर्थिक शक्ति संबंधों की परंपरा को प्रभावित करता है ।अर्थ व्यवस्था के असंगठित क्षेत्र में एक संगठित अपराध के रूप में ,मानव तस्करी बेरोकटोक जारी है ।

ग़रीबी ख़राब स्वास्थ शिक्षा की कमी ,मज़दूरों का शोषण लिंग भेद,पलायन और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियौ के बीच मज़दूरों की मजबूरी के लिए मानव तस्करी का मुद्दा गहरा है ।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ह्यष्टत्रक्क की रिपोर्ट 2024 केमानव तस्करी के 1549 मामले दर्ज हैं ।मानव तस्करी से बचाये गये लोगों की संख्या की अगर बात करें तो 18 वर्ष से कम आयु के 2276 बच्चो को बचाया गया इसमें 870 लड़कियाँऔर 1406लड़केशामिल है ।18 वर्ष से आयु से अधिकआयु के पुरुषों की संख्या 807 है ।मानव तस्करी के प्रमुख रूप जैसेः- महिलाओं और लड़कियों के यौन शोषण के लिए तस्करी ,बच्चों कीख़रीद फ़रोख़ूत मानव अंगों के व्यापार के लिए मानव तस्करी ,मज़दूरों से बंधुवा मज़दूरी कराना ,घरेलू काम के लिये बच्चों की तस्करी ,जबरन भीख मँगवाना ,रोज़गार का झाँसा देकर दूसरे राज्यों में ले जाना विवाह के नाम पर महिलाओं की तस्करी की जाती है।

एक प्रमुख समस्या ये है कि इसमें अपराधियों की सज़ा का प्रतिशत बहुत कम हैं ।अपराधी अधिकारियों से साँठ गाँठ करके सज़ा से बच जाते है ।2018 में सज़ा की दर केवल 8.1 प्रतिशत था। कई मामलों में शोषण कारी जगहों से छुड़ाए गये मज़दूरों को रिहाई प्रमाण पत्र नहीं दिये जाते है उन्हें सरकार से कल्याण कारी सहायता प्राप्त करने से वंचित करते हुए और उनकी पुनः बंध्यता के प्रति संवेदन शीलता बढ़ाते हुए ।

मौजूदा क़ानून को या तो अपडेट किया जाना चाहिए और तस्करी के पीड़ितों के बचाओ पुनर्वास और प्रत्यावर्तन के लिए समय बद्ध प्रक्रियाओं को निर्धारित करने के लिए नये क़ानून बनाये जाएँ ।अधिकारियों की जवाब देही समय बद्ध की जाये ।क़ानून प्रवर्तन एजेंसियों ,एंटी ह्यूमन ट्रैफ़िकिंग यूनिट्स ,बाल कल्याण समिति और सिविल सोसाइटी को पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ।पीड़ितो को सुरक्षा मुआवज़ा और प्रभावी अभियोजन प्रदान किया जा सके। एफ आई आर को समय पर दाखिल करने उचित सुबूत एकत्र करने के लिए वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग करने और ऑनलाइन खोजी प्रशिक्षण प्राप्त करने के संबंध में क़ानून प्रवर्तन अधिकारियों की क्षमता निर्माण किया जाना आवश्यक है ।पुलिस क़ानूनी सेवा प्राधिकरण ,अदालतों ष्टङ्घष्ट श्रम विभाग और ष्टस्ह की भागीदारी के साथ एकीकरण बैठकें पुनर्वास और अभियोजन प्रक्रियाओं की सहायता के लिये अनिवार्य होनी चाहिए ।इन बैठकों को एक आधिकारिक एजेंसी द्वारा बुलाया जाना चाहिए ।- **हमान कलम- एच आर सनी**



श्रीलंका की महिला समेत तीन गिरफ्तार: पीलीभीत में इमरान से निकाह कर बनी जैनब, फर्जी दस्तावेज बनवाए



पूरनपुर में श्रीलंका की एक महिला को फर्जी दस्तावेज से पासपोर्ट बनवाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह तीन महीने के पर्यटक वीजा पर भारत आई थी और सात साल से गांव में रह रही थी। पासपोर्ट कार्यालय की जांच में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पीलीभीत के पूरनपुर में श्रीलंका की नागरिकता छिपाकर फर्जी मूल निवास प्रमाणपत्र और आधार कार्ड के जरिये पासपोर्ट बनवाने का मामला सामने आया है। तीन महीने के टूरिस्ट वीजा पर भारत आई श्रीलंका की महिला पिछले सात साल से पूरनपुर कोतवाली के शेरपुरकलां गांव में रह रही थी। इस दौरान उसने गांव के युवक से निकाह और कोर्ट मैरिज कर ली। पहचान व धर्म बदलकर वह सुरैनी श्री वंतिका से जैनब बेगम बन गई।

जांच में हुआ खुलासा - पासपोर्ट कार्यालय से आई जांच में फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट बनवाने की कोशिश का खुलासा हुआ। पुलिस ने ग्राम प्रशासक समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर महिला, उसके पति और प्रधान प्रतिनिधि को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उनको जेल भेज दिया गया है। पुलिस की जांच में पता लगा है कि जॉर्डन देश में नौकरी के दौरान यह युवक व युवती एक दूसरे के संपर्क में आए थे।पूरनपुर कोतवाली में तैनात दरोगा लखपत सिंह को सहायक पासपोर्ट अधिकारी कार्यालय से प्राप्त प्रार्थनापत्र की जांच सौंपी गई थी। जांच में सामने आया कि शेरपुरकलां निवासी मोहम्मद इमरान वर्ष 2018 में जॉर्डन के अकाबा शहर स्थित मस्ट गारमेंट कंपनी में सिलाई मशीनों की मरम्मत का काम करता था। इसी कंपनी में श्रीलंका की रहने वाली सुरैनी श्री वंतिका भी काम करती थी। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं तो इमरान भारत लौट आया और सुरैनी श्री वंतिका श्रीलंका चली गई।टूरिस्ट वीजा पर आई थी युवती - मार्च 2019 में सुरैनी तीन महीने के टूरिस्ट वीजा पर मोहम्मद इमरान के घर आ गई। यहां दोनों ने निकाह कर लिया। तीन जून 2019 को कोर्ट मैरिज भी कर ली। इसके बाद सुरैनी का नाम बदलकर जैनब बेगम कर दिया गया। आरोप है कि टूरिस्ट वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वह भारत में रहने लगी।

आरोप है कि मोहम्मद इमरान और सुरैनी ने ग्राम प्रशासक, उसके प्रतिनिधि नजीब खां और अन्य लोगों के साथ मिलकर उसकी वास्तविक नागरिकता छिपाई। कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी मूल निवास प्रमाणपत्र और आधार कार्ड बनवा लिया। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर 26 जुलाई 2021 को फिर से दोबारा पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन किया गया।

मामले में पुलिस ने मोहम्मद इमरान, सुरैनी श्री वंतिका उर्फ जैनब बेगम, ग्राम प्रशासक, प्रशासक प्रतिनिधि नजीब खां समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सीओ विधि भूषण मौर्य ने बताया कि थाना पुलिस ने मोहम्मद इमरान, सुरैनी और प्रशासक प्रतिनिधि नजीब खां को गिरफ्तार कर बृहस्पतिवार को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उनको जेल भेजा गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हिंदू नाम वाले मुस्लिम भाइयों से हुआ दो सगी बहनों का निकाह, पुलिस रही तैनात; नहीं आए धमकी देने वाले

हरियाणा के मौसेरे भाई अनिल और संजय की शादी सहारनपुर की दो मुस्लिम बहनों से तय हुई थी। शादी का कार्ड वायरल होने पर मंडप संचालक और परिजनों को धमकी दी जाने लगी। इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी।



गया। सहारनपुर के गंगोह में हिंदू नाम बहनों के साथ पुलिस की निगरानी में नाम लिखे होने पर शुरू हुए विवाद बीच बृहस्पतिवार को हरियाणा से की निगरानी में दोनों सगी बहनों का इस दौरान कोई भी विरोध करने नहीं जिले के छोटी सातरोड निवासी अनिल की बरात गंगोह पहुंची। निकाह माहौल रहा। हालांकि पिछले दिनों होने के बाद गार्डन संचालक को किसी रोहित प्रधान के नाम से फोन कर था। लड़की पक्ष की ओर से दो लोगों थी। मामले की संवेदनशीलता को की तैनाती की गई। निकाह समारोह के बाद छुआरे वितरित किए गए। भाकियू टिकैत के ब्लाक अध्यक्ष हाजी तहसीन चौधरी, नगर अध्यक्ष मेहरबान कुरैशी, सरफराज आदि मौजूद रहे। उधर, सीओ शैलेंद्र प्रताप गौतम ने बताया कि सुरक्षा के लिए गार्डन में पुलिस की तैनाती की गई थी। कोई भी निकाह का विरोध करने नहीं पहुंचा।विभाजन के समय हिंदू परिवारों ने बचाई थी जान, तभी से रख रहे हिंदू नाम- दूल्हे अनिल के पिता दीनानाथ और परिजन शरीफ, मलखान, नवीन खान, सुनील, संदीप, बलवंत व दूल्हे संजय के पिता चंद्रभान, मां भतेरी ने बताया कि वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान उनके पूर्वजों की जान पर संकट आ गया था। उस कठिन दौर में गांव के हिंदू परिवारों ने उनकी मदद की थी।परिजनों के अनुसार, उनकी जान बचाने के लिए गांव के हिंदू लोगों ने उन्हें हिंदू बताकर उनकी पहचान छिपाई थी। उस समय हिंदू परिवारों के सहयोग और भाईचारे ने उनके पूर्वजों की जान बचाई। परिवार का कहना है कि उसी रिश्ते और आपसी सद्भाव की याद को पीढ़ियों तक जीवित रखने के लिए उनके यहां बच्चों के नाम हिंदुओं जैसे रखने की परंपरा शुरू हुई, जो आज भी जारी है। परिजनों के मुताबिक, अनिल और संजय नाम भी इसी पारिवारिक परंपरा का हिस्सा हैं, मग वह धार्मिक रूप से मुसलमान हैं।

पुलिस की सुरक्षा में शांति से निकाहा हो वाले दो मुस्लिम भाइयों का निकाह दो करा दिया गया। शादी के कार्ड पर हिंदू और निकाह रुकवाने की धमकियों के दोनों दूल्हों की बरात गंगोह पहुंची। पुलिस निकाह दो मौसेरे भाइयों के साथ हुआ। पहुंचा।बृहस्पतिवार को हरियाणा के हिसार और जींद जिले के ढांडाखेड़ी निवासी संजय समारोह को लेकर परिवार में उत्साह का शादी के कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल ने हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिलाध्यक्ष शादी समारोह रद कराने का दबाव बनाया के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी गई देखते हुए बरातघर के बाहर पुलिसकर्मियों की सभी रस्में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने

भाजपा से गठबंधन है, लेकिन हम हिंदू-मुस्लिम को साथ लेकर चलने वाले, रालोद के बड़े नेता ने दिया बयान



रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी बृहस्पतिवार को मेरठ के एसजीएम गार्डन में क्षेत्रीय अल्पसंख्यक सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारे को कायम रखने के लिए हिंदू और मुसलमान को दिल बड़ा करना होगा।राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा कि हमारी पार्टी सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। राष्ट्रीय लोक दल अब से पहले भी कई दलों के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ चुकी है। अब हमारा गठबंधन भाजपा एनडीए के साथ जरूर है लेकिन राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा अलग है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह हिंदू-मुस्लिम, अल्पसंख्यक, किसान, मजदूर, युवा, अनुसूचित जाति समेत सभी के हक की लड़ाई लड़ते रहे। इसी विचारधारा को लेकर राष्ट्रीय लोकदल आगे बढ़ रही है। यह बात त्रिलोक त्यागी ने बृहस्पतिवार को एसजीएम गार्डन में राष्ट्रीय लोकदल द्वारा आयोजित क्षेत्रीय अल्पसंख्यक सम्मेलन में कही।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की बुनियाद आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और सर्वसमाज की एकजुटता पर टिकी है। चौधरी चरण सिंह और चौधरी अजित सिंह की विचारधारा हमेशा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की रही है। राष्ट्रीय लोकदल ने सदैव किसान, मजदूर, नौजवान एवं अल्पसंख्यक समाज के हितों और सम्मान की आवाज बुलंद की है।त्रिलोक त्यागी ने कहा कि समाज की असली ताकत उसकी एकता में निहित है। जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर आपसी विश्वास एवं सौहार्द को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। राष्ट्रीय लोकदल का उद्देश्य केवल राजनीतिक भागीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान, प्रतिनिधित्व और समान अवसर दिलाना भी है। उन्होंने समाज को बांटने वाले लोगों को भी नसीहत दी, साथ ही कहा कि आपसी भाईचारे को कम रखने के लिए हिंदू और मुसलमान को बड़ा दिल रखना होगा। अपने धर्म का सभी सम्मान करें लेकिन किसी दूसरे धर्म का कभी अपमान नहीं करना चाहिएसम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ दिलनवाज खान, क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक, विधायक अशरफ अली खान, नरेंद्र खजूरी, विनय प्रधान, राष्ट्रीय सचिव (किसान प्रकोष्ठ) चौ. सत्येन्द्र सिंह तोमर, अभिमन्यु लल्लसाना, संजय पनवारी, मतलूब गौड़, जावेद रुहासा, नरेश चौधरी, ऋचा सिंह, दिलप्रीत कोहली, रणवीर दहिया, मारूफ एवं जाहिर अब्बासी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

निकाह से पहले नहीं दिए दो लाख, बरात लेकर न आया दूल्हा, मेहंदी रचाए बैठी रही दुल्हन; धरी रह गईं तैयारियां

निकाह से पहले दूल्हे को दो लाख रुपेय नहीं दिए तो वह बरात लेकर नहीं आया। दुल्हन की मां का आरोप है कि तीन लाख रुपये से दूल्हा और उसका परिवार संतुष्ट नहीं हुआ था।संभल के कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर टांडा में एक शादी के कार्यक्रम में उस समय मायूसी छा गई जब यह जानकारी मिली कि जिस बरात का स्वागत किए जाने की तैयारी है। वह बरात ही नहीं आ रही है। दुल्हन पक्ष ने दूल्हा और उसके परिवार को मनाने का प्रयास किया लेकिन वह बरात लेकर आने के लिए तैयार नहीं हुए।

बरात के लिए जो खाना और नाश्ते का इंतजाम किया गया था वह भी रखा रह गया। दुल्हन की मां ने पुलिस को तहरीर दी है। जिसमें आरोप है कि दूल्हा और उसके परिजनों ने पांच लाख रुपये दिए जाने की मांग की थी। जिसमें वह तीन लाख रुपये दे चुकी हैं लेकिन इस पर वह राजी नहीं है।दुल्हन की मां ने बताया कि उनके पति का निधन हो गया है। वह आर्थिक रूप से कमजोर हैं। काफी समय पहले मेरठ के गांव फिटकरी से रिश्ता तय हो गया था। बुधवार की शाम 7 बजे बरात आनी थी। इसकी तैयारियों को पूरा कर लिया गया था। करीब सात बजे करीब दूल्हा ने कॉल कर कहा कि वह बरात लेकर नहीं आ रहा है। बरात नहीं लाने का कारण जानना चाहा तो उसने बताया कि पांच लाख रुपये दिए जाने थे लेकिन तीन लाख रुपये दिए हैं। दुल्हन की मां ने बताया कि उन्होंने और उनके रिश्तेदारों ने दूल्हा और उसके परिवार को मनाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माना और बरात लेकर नहीं आया।स्वागत की तैयारी, खाना व नाश्ते का पूरा इंतजाम हो गया था

बरात को 7 बजे ही पहुंचना था। इसके लिए खाना व नाश्ते का पूरा इंतजाम दुल्हन पक्ष ने कर दिया था। दुल्हन को भी सजाने का काम चल रहा था। मेहंदी दिन में ही लगा दी गई थी। इस दौरान ही बरात नहीं आने की जानकारी मिली। दुल्हन का भी रो रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार किसी तरह शादी की तैयारियों को पूरा किया था। ऐसे में बरात भी नहीं आई और लाखों रुपये का नुकसान हो गया। शादी के कार्यक्रम में जो बराती आए थे वह भी मायूस हो गए। देररात तक पंचायत का दौर चलता रहा लेकिन समाधान नहीं निकला।मामला मेरी जानकारी में नहीं आया है। न कोई तहरीर मिली है। तहरीर मिलती है तो जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।-मोहित चौधरी, प्रभारी, संभल कोतवाली।

कार की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत, घरेलू सामान लेने जा रहा था; रास्ते में हादसा हो गया

बाराबंकी में कार की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत हो गई। वह घरेलू सामान लेने के लिए निकला था। रास्ते में हादसा हो गया। फिर कभी नहीं लौटायूपी के बाराबंकी में लखनऊ-अयोध्या नेशनल हाईवे पर रामसनेहीघाट के मेड़ुवा मोड़ के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कार ने 16 वर्षीय किशोर को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई।पुलिस के अनुसार, जैदपुर के बबुरीगांव निवासी विकास (16) पिछले पांच वर्षों से अपने नाना रामखेलावन के साथ मेड़ुवा में रह रहा था। वह बाइक से कोटवा सड़क पर घरेलू सामान लेने जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ।घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सीओ सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

बाइक सवार दंपती समेत किशोर डिवाइडर से टकराए, गंभीर रूप से घायल, भर्ती

उरई से चित्रकूट जा रहे बाइक सवार बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे में डिवाइडर से टकरा गए।

हादसा झपकी आने से हुआ। उनके पीछे चल रहे रिश्तेदार ने देखा तो घायल दंपती व उनके पुत्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

जालौन जिले के कोंच कोतवाली क्षेत्र के छोटी धोहर निवासी मंजीत कुशवाहा ने बताया कि उनके रिश्तेदार उदयवीर (35), उनकी पत्नी पूजा (32) व पुत्र हर्ष (13) बृहस्पतिवार को सुबह बाइक में सवार होकर चित्रकूट जाने के लिए घर से निकले थे।

उनके पीछे मंजीत भी बाइक से चल रहे थे। जब तीनों बाइक सवार बांदा बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के किलोमीटर 47 पर पहुंचे तो अचानक बाइक चालक उदयवीर को झपकी आने से बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में तीनों गंभीर घायल हो गए। पीछे से आए मंजीत ने देखा तो उन्होंने यूपीडा एंबुलेंस को फोन करके जानकारी दी।

यूपीडा एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां तीनों को भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा है।

Rajasthan's folk music goes far beyond "Kesariya Balam," the melodies of these songs resonate from palaces to the desert.



Rajasthan's folk music beautifully reflects the region's culture. When we hear Rajasthani songs, the first thing that comes to mind is Kesariya Balam or the song "Ghoomar Ghoomar" from the movie "Padmaavat," but the folk music of Rajasthan is much more than that. These folk songs offer a beautiful glimpse of Rajasthan's culture. They offer a beautiful glimpse of love, struggle, bravery, and everyday life. Let's explore Rajasthan's folk music. Mand - Mand is the hallmark of Rajasthan's folk music. The famous Rajasthani song "Kesariya Balam" is sung in the Mand style. Furthermore, many Bollywood songs are also sung in the Mand style. It originated from the royal palaces of Rajasthan. In addition to love, it also narrates tales of the bravery of kings and emperors. Panihari - In the desert, people had to go to distant wells or ponds to fetch water, a task typically performed by women. These women would sing songs along the way, giving rise to Panihari songs. These songs beautifully depict desert life. Kalbelia - Kalbelia songs are associated with the Kalbelia community, who formerly practiced snake catching and performing tricks. This gave rise to the Kalbelia dance, and the songs sung with this dance are called Kalbelia songs. Banna-Banni - Banna-Banni songs are sung during weddings in Rajasthan. These songs focus on the upcoming married life of the bride and groom. They also include humor and humor, which adds to the joyful atmosphere. Specialties of Rajasthani Folk Music: Rajasthani folk songs are typically sung to the accompaniment of instruments like the Kamaicha, Sarangi, Ravan Hatta, or Khadtal. These traditional instruments are the hallmark of Rajasthani music. Furthermore, these songs beautifully depict emotions like love, separation, and heroism. These songs add to the special appeal of folk dances like Ghoomar, Kalbelia, and Bhavai. The Langa and Manganiyar communities have a significant contribution to Rajasthan's folk music. These communities have been contributing to Rajasthan's folk music for generations.

Lauki-Bhat is a must-have during Nahay-Khay during Chhath Puja. Make a delicious gourd-chana dal curry with this easy recipe.



Gourd and chickpea dal curry is prepared on the day of Nahay-Khay during Chhath Puja. Chhath, the grand festival of folk faith, is celebrated with great enthusiasm in Bihar, Jharkhand, and eastern Uttar Pradesh. This four-day festival begins with Nahay-Khay and concludes with the morning offering of Arghya. This year, Nahay-Khay will be celebrated on November 13th. On this day, devotees bathe before eating. This meal consists of gourd-chana dal curry and Arba rice. This dish is prepared in a completely sattvic manner on a clay stove. Let's learn the recipe for making gourd curry for Nahay-Khay. Total Time: 30 mins Preparation Time: 10 mins Cooking Time: 20 mins Course: Main Course Calories: 1 Servings: 2 Cuisine: Indian Lauki-Chana Dal Sabzi Ingredients: Bottle gourd - 1 Chickpea lentils - 1 cup Ghee or pure mustard oil - 2-3 tbsp Cumin seeds - 1 tsp Bay leaves - 1-2 Dry red chilies - 1-2 Turmeric powder - 1/2 tsp Coriander powder - 1 tsp Red chili powder - as per taste Green chilies - 2-3 Rock salt - as per taste Coriander leaves - finely chopped Method to make Lauki-Chana Dal Sabzi: 1- First wash the chickpea lentils, soak them in water for 1-2 hours and cook them in a pressure cooker for 2 whistles. 2- After this, peel the bottle gourd and cut them into small pieces. 3- Now heat mustard oil or ghee in a pan. When it is hot, add cumin seeds, bay leaves and dry red chilies and let them crackle. After this, add chopped green chilies to it. 4- After this, add turmeric powder and coriander powder to it and let the spices cook on low flame. 5- Now put the soaked lentils in a pan and fry them with the spices. 6- Now add chopped bottle gourd to it and mix it well. After this, add one to one and a half cup water and rock salt to it and cover and let it cook. 7- Finally, add chopped green coriander on it. Bottle gourd-chana dal curry is ready.

Delhi-NCR's toxic air is blackening your lungs, increasing the risk of disease even without smoking cigarettes.

Dangerous AQI levels in Delhi-NCR after Diwali are blackening lungs, increasing the risk of disease even for non-smokers. The AQI level in Delhi-NCR has reached dangerous levels after Diwali. This air deeply affects our lungs. If such polluted air is breathed for a long time, PM2.5 and PM10 present in the air can accumulate in the lungs, turning them black. Healthy lungs are pink in color, but air pollution can cause black patches to form on the lungs of non-smokers. How do lungs become black? - Pollutants present in the air, especially PM2.5 and PM10, reach deep into our lungs and gradually accumulate there. Although our lungs are normally capable of removing inhaled particles on their own, when air pollution levels persist, the lungs' ability to detoxify themselves weakens. This causes PM 2.5 and PM 10 to accumulate in the lungs, leading to internal inflammation. Air pollution also increases oxidative stress in the body, which damages lung cells and tissues. Over time, this significantly increases the risk of obstructive pulmonary disease, lung cancer, and other serious respiratory diseases. What are the harms of dark patches in the lungs? The accumulation of PM 10 and PM 2.5 in the lungs and the extent of the damage they cause can vary from person to person. It's important to note that the damage caused by pollution isn't limited to darkening of the lungs. In many cases, the lungs can be severely damaged without changing color. Can darkening of the lungs be reversed? If the lungs begin to turn black, there is no cure, nor is there currently a way to remove these particles from the lungs. However, this does not mean that lung disease is untreatable. Depending on the severity of the disease, doctors can control symptoms, reduce lung inflammation, and treat other respiratory conditions. However, permanent scarring of the lungs is irreversible.





Manoj Bajpayee's reaction to the Tiger Shroff firing case, saying, "The entire industry was targeted at that time...

Amidst the attack on actor Tiger Shroff, Manoj Bajpayee has expressed concern about the safety of celebrities. Manoj Bajpayee expressed concern about the safety of Tiger Shroff. A life-threatening attack on Bollywood celebrities has resurfaced. In October, Tiger Shroff was attacked. This incident is reminiscent of the 1990s, when many Bollywood celebrities received threats from the underworld. Now, Manoj Bajpayee has reacted. Manoj Bajpayee says that the current situation should not be directly compared to the past, as criminal networks operate differently today. Speaking about receiving threats, actor Manoj Bajpayee said in an interview with Hindustan Times, "Those old days will never return. Back then, the entire industry was targeted, but that's not the case now. The method and definition of crime has completely changed. Now, someone sitting somewhere else sends their shooters to attack someone, and that person may not actually be the target." Regarding the Tiger Shroff shooting case, Manoj Bajpayee said that he was not actually the target of the shooters. He said, "The entire conversation was about other stars who were the real targets, and now they need to be extra vigilant about their safety." The actor expressed hope for an improvement. On the evening of October 18th, several rounds of gunfire struck Tiger Shroff outside a football ground in Mumbai. Tiger, who was in the car, was unharmed, but his driver was injured. Reports suggest that the Lawrence Bishnoi gang claimed responsibility. The arrested men had previously conducted recce of the homes of actors like Akshay Kumar, Amitabh Bachchan, and Aamir Khan, who were their primary targets.

After theatrical release, Vijay and Rashmika Mandanna's film will hit OTT platforms. When and where will it release?

Vijay Deverakonda and Rashmika Mandanna's Ranbaali is set to hit OTT platforms. Let's find out when and where the film will release. 'Ranbaali' is ready to hit OTT platforms - Less than a month after its theatrical release, Mandanna starrer 'Ranbaali' is set to hit OTT on which OTT platform will the film release? When will Ranbaali stream online? India announced the streaming premiere of Vijay Deverakonda and Rashmika platform shared a poster of the film featuring platforms. Let's find out when and release date as November 13th. The caption Ranbaali OTT Release - Netflix coming." The film will be available on Netflix 'Ranbaali' on social media. The and Malayalam. Ranbali flopped at the box Vijay and Rashmika, revealing the arrive on streaming platforms six to eight weeks read, "Singanamala's 'Ranbali' is major Tamil or Telugu films have a theatrical in Telugu, Hindi, Tamil, Kannada, However, Ranbali failed to perform well at the office. While many Hindi films successful overseas. What is the film's story? Set after their theatrical release, most century Indian history, the film tells the story of window of only four weeks. rule. The story is set in South India in the 1870s, box office. It was also not backdrop is the devastating Madras Famine against the backdrop of 19th- Rayalaseema region of Andhra Pradesh. When a rebel who rises against British due to drought and a failed monsoon, the British at the height of British rule. Its Commissioner Sir Theodore Hector (Arnold (1876–1878) that struck the relief, oppressed the common people by millions of Indians were starving imposing grain exports and oppressive taxes. Ranbali (Vijay Deverakonda), a rebel warrior and leader, steps forward to defend his people. They raid stored grain stores and wage administration—led by the ruthless a war against colonial oppression. Meanwhile, Jayamma (Rashmika Mandanna) plays Ranbali's wife, standing by him every step of the way and connecting this massive rebellion Vosloo), instead of providing with ordinary families. About 'Ranbali' - 'Ranbali' is a period action drama film directed by Rahul Sankritian, produced by Mythri Movie Makers, and presented by T-Series Films. The film stars Vijay Deverakonda in the lead role, alongside Rashmika Mandanna and Arnold Vosloo. Set against the backdrop of the violent history of 19th-century India, it tells the story of a man who rises up against British rule.



Pawan Kalyan's charm continues on OTT platforms, offering thrillers and action; these Power Star films are must-watches.

You can enjoy Power Star Pawan Kalyan's films that you missed in theaters on OTT platforms. These Pawan Kalyan films are must-watches on OTT platforms—from action to fantasy. Enjoy Pawan Kalyan's superhit films on OTT platforms. South superstar Pawan Kalyan's films have millions of fans. Currently, he is the Deputy Chief Minister of Andhra Pradesh and is in the news for rumors of his divorce from his third wife. However, the superstar's greatest identity is cinema, where he has starred in numerous memorable films. So, if you missed seeing these films in theaters, you can now enjoy them on OTT platforms. Released in 2025, Pawan Kalyan's action thriller revolves around the Bombay underworld and the 1990s, where he wages war against a dangerous villain. This film is available on Netflix. Bheemla Nayak - In this film, Pawan Kalyan plays a tough and honest police officer. In the story, he fights against Rana Daggubati's arrogant character. This film can be watched on Netflix. Vakeel Saab - This is a remake of the blockbuster Hindi movie "Pink." In it, Pawan Kalyan plays the role of a fiery lawyer, Satya Dev, who fights a legal battle to save three girls from the clutches of a powerful criminal. You can enjoy it on Prime Video. Gabbar Singh - Released in 2012, this is a remake of Salman Khan's superhit film, Dabangg. It broke major box office records. Pawan Kalyan added a strong element of action to the film. This film can be watched on Prime Video. Bro - Although Pawan Kalyan is known for his action avatar, if you want to see his fantasy and emotional drama, then this film, which is available on Netflix, is the one to watch. Apart from this, you can also enjoy Pawan Kalyan's Jalsa on Prime Video and Jio Hotstar.

